

Dear Parents,



Session 2018-2019 is progressing quite well. We just had our 'Orientation Session' with Primary, Middle and Secondary schoolers parents and it was heartening to see your approach, co-operation and support. APS family extends gratitude for it.

A warm welcome to students who have joined our school this session. We stand committed to providing quality education to our children. The teachers follow a detailed plan of instruction that is guided by CBSE and AWES. SAMC is our pillar of strength as our teachers focus on holistic development of our students. We shall certainly continue to implement our 'Systems Approach' to support all students by using interventions to help each child make academic progress. Progress is best assured when student, parents and school are working towards same goal. It's like when every player is an active member, the team is sure to be the best and everyone is a winner. So let's strive to be all winners!

For Summer Break Assignments, practice sheets are devised to ensure revisions for coming assessment. Kindly go to the website: [www.apsbinnaguri.org](http://www.apsbinnaguri.org) and follow these steps for the same

Steps to download:

- i. Browse the website→ Home page (first page of the website)
- ii. Then check the Bulletin Board→ link will be available.

OR

Home Page→ Click on 'APS News' option→ Choose Holiday Homework option from the dropdown menu.

We would also seek your co-operation to help lift up academics. We would welcome parents to offer their names for substitute facilitators/ teachers, judges for events round the year. Kindly e-mail at [apsbinnaguri1@gmail.com](mailto:apsbinnaguri1@gmail.com) or give your details at Front Desk.

We truly believe that an entire community is needed to empower our students to become successful citizens. I look forward to a great year and working with such an amazing community.

Awaiting your constructive suggestions.



समय:-90 मिनट

पूर्णांक:-40

**प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें -**

सत्य के अनेक रूप होते हैं, इस सिद्धांत को मैं बहुत पसंद करता हूँ। इसी सिद्धांत ने मुझे एक मुसलमान को उसके अपने दृष्टिकोणसे और ईसाई को उसके स्वयं के दृष्टिकोण से समझना सिखाया है। जिन अंधों ने हाथी का अलग-अलग तरह से वर्णन किया वे सब अपनी दृष्टि से ठीक थे। एक-दूसरे की दृष्टि से सब गलत थे, और जो आदमी हाथी को जानता था, उसकी दृष्टि से सही भी थे और गलत भी थे।

जब तक अलग-अलग धर्म मौजूद हैं, तब प्रत्येक धर्म को किसी विशेष बाह्य चिह्न की आवश्यकता हो सकती है। लेकिन जब बाह्य चिह्न केवल आडंबर बन जाते हैं अथवा अपने धर्म को दूसरे धर्मों से अलग बताने के काम आते हैं, तब वे त्याज्य हो जाते हैं।

धर्मों के भ्रातृ-मंडल का उद्देश्य यह होना चाहिए कि वह हिंदू को अधिक अच्छा हिंदू, एक मुसलमान को अधिक अच्छा मुसलमान और एक ईसाई को अधिक अच्छा ईसाई बनाने में मदद करे। दूसरों के लिए हमारी प्रार्थना वह नहीं होनी चाहिए- ईश्वर, तू उन्हें वही प्रकाश दे जो तूने मुझे दिया है, बल्कि यह होनी चाहिए – तू उन्हें वह सारा प्रकाश दे जिसकी उन्हें अपने सर्वोच्च विकास के लिए आवश्यकता है।

(क). 'अंधे और हाथी' का उदाहरण क्यों दिया गया है ? (ख). धर्म के बाह्य चिह्नों को क्यों त्याग देना चाहिए ?

(ग). किसी भी धर्म के अनुयायी को उसी के दृष्टिकोण से देखने की समझ किस सिद्धांत के कारण पैदा हुई ?

(घ). हमें ईश्वर से क्या प्रार्थना करनी चाहिए ?

(ङ). इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

**प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में लिखिए:**

पथ बंद है पीछे अचल है पीठ पर धक्का प्रबल   मत सोच बढ़ चल तू अभय, ले बाहु में उत्साह-बल   जीवन-समर के सैनिकों संभव असंभव को करो पथ-पथ निमंत्रण दे रहा आगे कदम, आगे कदम   ओ बैठने वाले तुझे देगा न कोई बैठने   पल-पल समर, नूतन सुमन-शय्या न देगा लेटने	आराम संभव है नहीं जीवन सतत संग्राम है बढ़ चल मुसाफिर धर कदम, आगे कदम, आगे कदम   ऊँचे हिमानी श्रृंग पर, अंगार के भ्रू-भृंग पर तीखे करारे खंग पर आरंभ कर अद्भुत सफर ओ नौजवाँ, निर्माण के पथ मोड़ दे, पथ खोल दे जय-हार में बढ़ता रहे आगे कदम, आगे कदम
---	---

(क). इस काव्यांश में कवि किसे प्रेरणा दे रहा है और क्या ?

(ख). किस पंक्ति का आशय है – जीवन के युद्ध में सुख सुविधाएँ चाहना ठीक नहीं ?

(ग). अद्भुत सफर की अद्भुतता क्या है ?

(घ). आशय स्पष्ट कीजिए – 'जीवन सतत संग्राम है'

(ङ). कविता का केन्द्रीय भाव लिखे।

**प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -**

(क) कबीर ने ईश्वर का निवास कहाँ बताया है ?

(ख) कबीर के अनुसार निंदक कौन होता है ? उन्होंने उसे अपना सबसे बड़ा शुभचिंतक क्यों माना है ?

(ग) श्रीकृष्ण की चाकरी करने से मीरा को कौन-कौन-से तीन लाभ मिलेंगे ?

**प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -**

(क) बड़े भाई ने छोटे भाई की सफलता पर क्या टिप्पणी की थी ?

(ख) कहानी में बड़े भाई द्वारा घमंड को एक बुराई के रूप में दिखाया गया है। घमंड का विरोध करने के लिए उन्होंने कौन-कौन से उदाहरण दिए।

(ग) 26 जनवरी, 1931 के दिन कलकत्ता के बड़ा बाजार का दृश्य कैसा था ?

**प्रश्न 5.** आम आदमी की धर्म के प्रति अंध श्रद्धा को धर्म के ठेकेदार किस रूप में भुनाते हैं ? 'हरिहर काका' कहानी में काका किस प्रकार इसका शिकार हुए ? व्यक्ति का वैज्ञानिक दृष्टिकोण उसे कितना बचा सकता है ?

**प्रश्न 6.क).** शब्द किसे कहते हैं ? **ख).** 'छात्रों को अवकाश अच्छा लगता है।' रेखांकित शब्द क्या है ? अपने उत्तर का कारण बताए।

**प्रश्न 7.** निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करें।

**क)** हम खाना खा लिए है। **ख)** अशोक गलती की है। **ग)** शहीदों का देश सदा आभारी रहेगा। **घ)** इस जंगल में एक पागल हाथी हो गया है।

**प्रश्न 8.** निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य बनाए – **क).** आँच न आने देना, **ख).** आपे से बाहर होना।

**प्रश्न 9.** विद्यालय के प्रधानाचार्य की और से विद्यार्थियों को अनुशासन भंग न करने की सलाह देते हुए 25-30 शब्दों में सूचना लिखें।

**प्रश्न 10.** अपने क्षेत्र में एक नया डाकघर स्थापित करने की माँग करते हुए मुख्य डाक-अधिकारी को एक पत्र लिखिए।

समय:-90 मिनट

पूर्णांक:- 40

**प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें -**

तुम अपने जीवन के आगे काल्पनिक प्रश्न चिह्न क्यों लगाते हो ? जो उपस्थित नहीं उससे भय क्या ? अगर तुम्हारी कल्पना में शंकाओं एवं संदेहों के आगे का मार्ग है तो उसे बंद कर दो और दूसरी ओर की खिड़की खोल लो, जिसमें से उत्साह, आशा व सफलता की बयार आती है। भिखमंगों से डर कर क्या तुमने रोटी पकाना छोड़ दिया है ? मृत्यु के डर से यदि तुम जीना नहीं छोड़ते तो कठिनाइयों के डर से कार्य न करना कौन-सी बुद्धिमत्ता है ? उस नाविक को देखो जो समुद्र में नाव खेने चला है, उसे मालूम है कि समुद्र की लहरों के थपेड़ों से उसकी नाव चकनाचूर हो सकती है, आँधी से पाल तार-तार हो सकती है, मस्तूल गिरकर टूट सकता है, पर इन सबसे घबराकर क्या वह समुद्र में जाना छोड़ दे ? समुद्र कितना ही विशाल क्यों न हो, पर उसकी विशाल साहसी भुजाओं का मुकाबला करने की शक्ति उसमें नहीं है, इसलिए तुम भी संसार की कर्मस्थली में उतर जाओ, अन्यथा चिंता एवं निराश के सागर में डूब जाओगे।

(क). काल्पनिक प्रश्न-चिह्न से क्या तात्पर्य है ?

(ख). लेखक ने नाविक के दृष्टांत द्वारा क्या प्रेरणा दी है ?

(ग). लेखक ने मनुष्य को विपत्तियों से हतोत्साहित न होने के लिए कौन-कौन से दृष्टांत दिए हैं ?

(घ). समुद्र मनुष्य की शक्ति का मुकाबला करने में क्यों अक्षम है ?

(ङ). इस गद्यांश के लीए उपयुक्त शीर्षक लिखिए ?

**प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में लिखिए:**

रोटी उसकी, जिसका अनाज, जिसकी ज़मीन, जिनका श्रम है; अब कौन उलट सकता स्वतंत्रता का सुसिद्धि, सीधा क्रम है। आजादी है अधिकार शोषणों की धज्जियाँ उड़ाने का। गौरव की भाषा नई सीख, भिखमंगों की आवाज़ बदल,	सिमटी बाँहों को खोल गरुड़, उड़ने का अब अंदाज बदल। स्वाधीन मनुज की इच्छा के आगे पहाड़ हिल सकते हैं; रोटी क्या ? ये अंबरवाले सारे सिंगार मिल सकते हैं।
---	--

(क). आजादी क्यों आवश्यक है ?

(ख). सच्चे अर्थों में रोटी पर किसका अधिकार है ?

(ग). कवि ने किन पंक्तियों में गिड़गिड़ाना छोड़कर स्वाभिमान बनने को कहा है ?

(घ). कवि व्यक्ति को क्या परामर्श देता है ?

(ङ). आजाद व्यक्ति क्या कर सकता है ?

**प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -**

(घ) कबीर दस क्यों दुखी हैं ?

(ङ) मीठी वाणी बोलने से औरों को सुख और अपने तन को शीतलता कैसे प्राप्त होती है ?

(च) मीराबाई ने भगवान की भक्त वत्सलता को सिद्ध करने के लिए किस-किस का उदाहरण दिया है ?

**प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -**

(घ) छोटे भाई के चुप रहने पर बड़े भाई साहब उसका स्वागत किस तरह के शब्दों में करते थे ?

(ङ) 'बड़े भाई साहब' पाठ के माध्यम से हमारी शिक्षा-पद्धति की कौन-सी कमी उजागर हुई है ?

(च) कलकत्ता वासियों के माथे पर क्या कलंक था और उन्होंने इसे किस प्रकार मिटाया ?

**प्रश्न 5.** आप कैसे कह सकते हैं कि हरिहर काका संयुक्त परिवार के मूल्यों (आदर्शों) के प्रति समर्पित व प्रेरक मानव थे ? पाठ के आधार पर बताए।

**प्रश्न 6.** क). रमेश आज पढ़ने जाएगा रेखांकित अंश को क्या कहेंगे। ख). पद किसे कहते हैं ? उदाहरण देकर समझाए।

**प्रश्न 7.** निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करें।

(क). जो काम करो, वही पूरा जरूर करें।

(ख). एक गुलाब की फूलों की माला चाहिए।

(ग). शाम को श्रीमती मीरा एक गीत देंगी।

(घ). कृपया मेरे घर आने की कृपा करें।

**प्रश्न 8.** निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य बनाए— क). ओले पड़ना, ख). आस्तीन का साँप।

**प्रश्न 9.** आप पंचशील संस्थान में मैनेजर (प्रबंधक) के पद पर कार्यरत अमित शाह हैं। व्यक्तिगत कारणों से आपने अपना आवास बदल लिया है। अपने नए आवास का पता देते हुए 25-30 शब्दों में एक सूचना लिखें।

**प्रश्न 10.** अपने क्षेत्र में पेड़-पौधों के अनियंत्रित कटाव को रोकने के लिए जिलाधिकारी को एक पत्र लिखें।

समय:-90 मिनट

पूर्णांक:-40

**प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें -**

भिखारी की भाँति गिड़गिड़ाना प्रेम की भाषा नहीं है। यहाँ तक कि मुक्ति के लिए भगवान की उपासना करना भी अधम उपासना में गिना जाता है। प्रेम कोई पुरस्कार नहीं चाहता। प्रेम में आतुरता नहीं होती। प्रेम सर्वथा प्रेम के लिए ही होता है। भक्त इसलिए प्रेम करता है कि बिना प्रेम किए वह रह ही नहीं सकता। जब हम किसी मनोहर प्राकृतिक दृश्य को देखकर उस पर मुग्ध हो जाते हैं तो उस दृश्य से हम किसी फल की याचना नहीं करते और न वह दृश्य ही हम से कुछ चाहता है; तो भी वह दृश्य हमें बड़ा आनंद देता है। वह हमारे मन को पुलकित और शांत कर देता है और हमें साधारण संसारिकता से ऊपर उठाकर एक स्वर्गीय आनंद से सराबोर कर देता है। इसलिए प्रेम के बदले कुछ माँगना प्रेम का अपमान करना है। प्रेम करना नंगी तलवार की धार पर चलने जैसा है क्योंकि स्वार्थ के लिए, दिखावे के लिए तो सभी प्रेम करते हैं, उसे निभाते नहीं। वे पाना चाहते हैं, देना नहीं। वे वस्तुतः प्रेम शब्द को कलंकित करते हैं।

(क). प्रेम में आतुरता होने से क्या अभिप्राय है ?

(ख). प्रकृति-प्रेम में प्रकृति और दर्शक के प्रेम-संबंध कैसे होते हैं ?

(ग). प्रेम को तलवार की धार पर चलने के समान क्यों बताया गया है ?

(घ). कैसे लोग प्रेम को कलंकित करते हैं ?

(ङ). भक्त और भगवन के बीच कैसा प्रेम होना चाहिए ?

**प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में लिखिए:**

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के   आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली, दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगीं गली-गली   पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के   मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के ॥	पेड़ झुक झँकने लगे गरदन उचकाए, आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए, बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की   बरस बाद सुधि लीन्हीं – बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की ॥
---	--

(क). 'पाहुन' किसे कहा गया है और क्यों ?

(ख). मेघ किस रूप में और कहाँ आए ?

(ग). मेघों के आने पर गाँव में क्या-क्या परिवर्तन दिखाई देने लगे ?

(घ). बूढ़ा पीपल किसके रूप में है ? उसने क्या किया ?

(ङ). 'लता' कौन है ? उसने क्या शिकायत की ?

**प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -**

(छ) कबीर के दोहों को सखी क्यों कहा जाता है ?

(ज) कबीर के की सखियों में कौन-कौन से जीवन-मूल्य उभरते हैं ?

(झ) श्रीकृष्ण भगवान के नरहरि रूप में विषय में बताए ?

**प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -**

(छ) 'डायरी का एक पन्ना' के आधार पर बताए कि भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में पुलिस की भूमिका पर टिप्पणी कीजिए ।

(ज) 'डायरी का एक पन्ना' के आधार पर बताए कि आज़ादी के संघर्ष में विद्यार्थियों की क्या भूमिका थी ?

(झ) बड़े भाई साहब का पतंग पकड़कर भागना क्या सिद्ध करता है ?

**प्रश्न 5. अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखते हैं— कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।**

**प्रश्न 6. क.** शब्द और पद में क्या अंतर होता है ? उदाहरण की सहायता से स्पष्ट करें ।

**प्रश्न 7. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करें ।**

क) जितनी करनी वैसी भरनी । ख) मोर के पास सुंदर पंख होते हैं । ग) आप पक्के ईश्वर के भक्त है । घ) हम आपसे कहे थे ।

**प्रश्न 8. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य बनाए—** क). हाथ मलते रह जाना, ख). लोहा मानना ।

**प्रश्न 9. दूरदर्शन के निदेशक को पत्र लिखकर राष्ट्रीय एकता संबंधी अच्छे कार्यक्रम प्रसारित करने के लिए निवेदन कीजिए ॥**

**प्रश्न 10. आप अपने इलाके के गरीब बच्चों को प्रत्येक शनिवार-रविवार निःशुल्क पढ़ाना चाहते हैं। उससे संबंधित सूचना जारी कीजिए ।**

समय:-90 मिनट

पूर्णांक:-40

**प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें -**

बोलने का विवेक, बोलने की कला और पटुता व्यक्ति की शोभा है, उसका आकर्षण है। सुबुद्ध वक्ता अपारजनसमूह का मन मोह लेता है, मित्रों के बीच सम्मान और प्रेम का केंद्र-बिंदु बन जाता है। जो लोग अपनी बात को राई का पहाड़ बनाकर उपस्थित करते हैं, वे एक ओर जहाँ सुनने वाले के धैर्य की परीक्षा लिया करते हैं, वहीं अपना और दूसरे का समय भी अकारण नष्ट किया करते हैं। विषय से हटकर बोलने वालों से, अपनी बात को अकारण खींचते चले जाने वालों से तथा ऐसे मुहावरों और कहावतों का प्रयोग करने वालों से जो उस प्रसंग में ठीक ही न बैठ रहे हों, लोग उब जाते हैं। वाणी का अनुशासन, वाणी का संयम और संतुलन तथा वाणी की मिठास ऐसी शक्ति है जो हर कठिन स्थिति में हमारे अनुकूल ही रहती है, जो मरने के पश्चात् भी लोगों की स्मृतियों में हमें अमर बनाए रहती है। हाँ, बहुत कम बोलना या सदैव चुप लगाकर बैठे रहना भी बुरा है। यह हमारी प्रतिभा और तेज को कुंदकर देता है। ऐसा व्यक्ति गुफा में रहने वाले उस व्यक्ति की तरह होता है, जिसे बहुत दिनों के बाद प्रकाश के आने पर भय लगने लगता है। अतएव कम बोल, सार्थक और हितकर बोलो यही वाणी का तप है।

- (क). इस गद्यांश में व्यक्ति की शोभा और आकर्षण किसे बताया गया है और क्यों ? (ख). किस प्रकार का बोलना पसंद नहीं किया जाता है ?  
(ग). किस प्रकार की भाषा हमें जीवन में लोकप्रिय और जीवन के बाद अमर बनाए रहती है ?  
(घ). बहुत कम बोलना भी अच्छा क्यों नहीं है ? (ङ). वाणी का तप किसे कहा गया है और क्यों ?

**प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में लिखिए:**

ले चल माँझी मझधार मुझे, दे-दे बस अब पतवार मुझे   इन लहरों के टकराने पर आता रह-रह कर प्यार मुझे    मत रोक मुझे भयभीत न कर, मैं सदा कँटीली राह चला   पथ-पथ मेरे पतझरों में नव सुरभि भरा मधुमास पला   फिर कहाँ डरा पाएगा यह पगले जर्जर संसार मुझे   इन लहरों के टकराने पर, आता रह-रह कर प्यार मुझे    मैं हूँ अपने मन का राजा, इस पार रहूँ, उस पार चलूँ मैं मस्त खिलाड़ी हूँ ऐसा जी चाहे जीतूँ, हार चलूँ	मैं हूँ अबाध, अविराम अथक, बंधन मुझको स्वीकार नहीं   मैं नहीं अरे ऐसा राही, जो बेबस-सा मन मार चलूँ    कब रोक सकी मुझको चितवन, मदमाते कजरारे घन की, कब लुभा सकी मुझको बरबस, मधु-मस्त फुहारों सावन की   जो मचल उठें अनजाने ही अरमान नहीं मेरे ऐसे- राहों को समझा लता हूँ सब बात सदा अपने मन की इन उठती-गिरती लहरों का कर लेने दो श्रृंगार मुझे, इन लहरों के टकराने पर आता रह-रह कर प्यार मुझे
--	---

- (क). 'अपने मन का राजा' होने के दो लक्षण कविता से चुनकर लिखिए। (ख). किस पंक्ति का आशय है- कई पतझड़ को भी बसंत मान लेता है ?  
(ग). कविता का केंद्रीय भाव दो-तीन वाक्यों में लिखिए। (घ). कविता के आधार पर कवि-स्वभाव की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।  
(ङ). आशय स्पष्ट कीजिए – 'कब रोक सकी मुझको चितवन, मदमाते कजरारे घन की |'

**प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -**

- (अ) मीरा श्री कृष्ण से क्या चाहती है ?  
(ट) कबीर किस प्रकार के घर को जलाने की बात करते हैं ? इस काम को करने के लिए वह किसको आधार बनाते हैं ?  
(ठ) कबीर के अनुसार मैं और हरि में कैसा विरोधाभास है ? इसे कैसे दूर किया जा सकता है ?

**प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -**

- (अ) पुलिस झंडा गाड़ने का विरोध क्यों कर रही थी ?  
(ट) आजादी की लड़ाई में महिलाओं की क्या भूमिका थी ?  
(ठ) अपने माता-पिता के उदाहरण द्वारा बड़े भाई साहब क्या स्पष्ट करना चाहते थे ?

**प्रश्न 5.** 'हरिहर काका' कहानी में पारिवारिक व धार्मिक पाखंड की झलक मिलती है। क्या आप इस कथन से सहमत हैं ?

**प्रश्न 6.** शब्द और पद में अंतर स्पष्ट करें एवं उदाहरण दे।

**प्रश्न 7.** निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करें।

- क) वह कमर कसा बैठा है। ख) इस भवन के गिरने का संदेह है। ग) प्रधानाचार्य अध्यापक को बुलाए। घ) इन दिनों आप क्या काम कर रहे ?

**प्रश्न 8.** निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य बनाए— क). श्रीगणेश करना, ख). बुढ़ापे की लाठी।

**प्रश्न 9.** विद्यालय में कीमती सामान खो जाने पर खोया-पाया विभाग के अध्यक्ष होने के नाते सूचना लिखिए।

**प्रश्न 10.** किसी पुस्तक प्रकाशक (बुक-पब्लिकेशर) से पुस्तकें मँगवाने के लिए पत्र लिखें।